CS (Main) Exam,2019

SDF-B-MTLI

मैथिली / MAITHILI

पेपर II / Paper II

साहित्य / LITERATURE

निर्धारित समय : तीन घंटे
*Time Allowed : **Three** Hours*

*अधिकतम अंक : **250***
*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र स्पष्ट निर्देश

प्रश्नक उत्तर लिखबासँ पूर्व कृपया निम्नलिखित निर्देशकेँ सावधानीपूर्वक पढ़ि लिअ :

*एतय दू **खण्ड (SECTION)** मे विभक्त कुल **आठ** प्रश्न अछि ।*

*अभ्यर्थी कुल **पाँच** प्रश्नक उत्तर देथि ।*

*प्रश्न संख्या **1** तथा प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य अछि । शेष प्रश्नमेसँ कोनो **तीन** प्रश्नक उत्तर लिखू, जाहिमे प्रत्येक **खण्ड (SECTION)** सँ कमसँ कम **एक** प्रश्नक चयन आवश्यक अछि ।*

प्रश्न / खण्डक निर्धारित अंक ओकरा समक्ष निर्दिष्ट कयल गेल अछि ।

*उत्तर **मैथिली** (देवनागरी लिपि) मे लिखब अनिवार्य अछि ।*

जतय निर्दिष्ट हो, शब्द-सीमाक अनुपालन अपेक्षित अछि ।

उत्तरित प्रश्नक गणना क्रमानुसार कयल जायत । यदि काटल नहि गेल हो तँ अंशतः लिखित उत्तरक गणना सेहो कयल जायत । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिकाक कोनो रिक्त पृष्ठ अथवा कोनो पृष्ठक रिक्त भागकेँ अवश्य काटि दी ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **MAITHILI** (Devanagari script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **प्रत्येक प्रश्न अनिवार्य अछि । काव्य-वैशिष्ट्यकेँ निर्दिष्ट करैत निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य)** *10×5=50*

(a) आधक आध आध दिठि-अँचल जब धरि पेखल कान ।
कत सत कोटि कुसुम-सरे जरजर रहत कि जाएत परान ।। *10*

(b) कवरी भये चामरी गिरि कन्दरे
मुख भये चान्द अकासे ।
हरिनि नयन भये स्वर भये कोकिल
गति-भये गज वनवासे । *10*

(c) जाहि बेर जन्म महाप्रभु भेल
तखन अन्धार एहन गोट भेल
सुइ लय बेधिअ गाँथिअ ताग
हाथ छुबिअ तओँ हाथहिँ लाग । *10*

(d) अन्न ने छै, कैंचा ने छै, कौड़ी ने छै,
गरीबक नेना कोना पढ़तैक रे ?
उठह कवि, तोँ दहक ललकारा कने,
गिरि-शिखर पर पथिक-दल चढ़तैक रे । *10*

(e) हा रघुनाथ ! अनाथ जकाँ, दशकण्ठ-पुरी हम आइलि छी
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान डराइलि छी ।।
चन्द्र-चकोरि अहेँक सदा, हम शोक समुद्र समाइलि छी
देवर-दोष कहू हम की, अपना अपराधसँ काइलि छी ।। *10*

Q2. (a) 'दत्त-वत्ती' महाकाव्यमे भारतीय सामाजिक चिन्तन, राष्ट्रीय चेतना ओ सांस्कृतिक गरिमाक चित्रण भेल अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) 'समकालीन मैथिली कविता' मे कविलोकनिक नव्यतम काव्य-चेतना प्रस्फुटित भेल अछि – विवेचन करू । *15*

(c) 'कीचक-बध' मे संस्कृतक परम्परासँ भिन्न आधुनिक प्रणालीक अनुसरण कएल गेल अछि – मूल्यांकन करू । *15*

Q3. (a) 'यात्री' जीक 'चित्रा' मे यथार्थवादी शैली, ग्राम्य-भाषा ओ मुक्त-वृत्तक प्रयोग भेल अछि – स्पष्ट करू । *20*

(b) विद्यापतिक गीत सभमे शृंगारक उभय पक्ष – संयोग एवं वियोगक चित्र प्रस्तुत भेल अछि – 'विद्यापति गीतशती'क पठित अंशक आधार पर विवेचन करू । *15*

(c) 'गोविन्ददास भजनावली'क पठित अंशक आधार पर प्रमाणित करू जे विद्यापतिक पश्चात् गोविन्ददासक मैथिली साहित्यमे सर्वोपरि स्थान अछि । *15*

Q4. (a) 'मिथिलाभाषा रामायण'क सुन्दरकाण्डमे सीताक अन्तर्द्वन्द्वक स्वाभाविक चित्रण भेल अछि – विवेचन करू । *20*

(b) मैथिली साहित्यमे 'कृष्णजन्म'क ऐतिहासिक महत्त्व अछि – सयुक्ति विवेचन करू । *15*

(c) 'रमेश्वर चरित मिथिला रामायण'क पठित अंशक आधार पर लालदासक काव्य वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । *15*

SECTION B

Q5. निम्नलिखित अवतरणक सप्रसंग व्याख्या करू, जाहिमे भाव स्पष्ट रहए । (उत्तर अधिकतम 150 शब्दमे दातव्य) *10×5=50*

(a) मैथिल चाह तँ ने पिबैए, मीठ पिबैए । कतबो चाहमे चीनी देने रहबै .... ऊपर सँ एक वा दू चम्मच आर चाही । एहनमे लोक बिकाइये जायत । केहन महगी छै आ चीनी कोना भेटै छै से बुझिते छिए ! *10*

(b) असलमे धरती जोतनिहारक थिक । हरबाहक थिक जे धरतीक असल बेटा थिक । जे अपन पसेनासँ धरती-माता केँ पूजै अछि । कय दिन देखलहक अछि मालिककेँ अपन पसेनासँ धरती-माताक पूजा करैत ? *10*

(c) अहाँक लिखल चारि पाँती चारि सय बेर पढ़लहुँ । तथापि तृप्ति नहि भेल । आचार्यक परीक्षा समीप अछि । किन्तु ग्रन्थमे कनेको चित्त नहि लगैत अछि । सदिखन अहींक मोहिनी मूर्ति आँखिमे नचैत रहै अछि । *10*

(d) ...... जैह भेद रसगुल्ला ओ लड्डूमे छैक । रसगुल्ला सरस ओ कोमल होइछ, लड्डू शुष्क ओ कठोर । रसगुल्ला पूर्वक प्रतीक थीक लड्डू पश्चिमक । तैं हम कहैत छिऔह जे ककरो जातीय चरित्र बुझबाक हो त' ओकर प्रधान मधुर देखी । *10*

(e) पूर्णिमा चान्द अमृत पूरल अइसन मुह । श्वेत पङ्कजकाँ दल भ्रमर वयिसल अइसन आँषि, काजरक कल्लोल अइसन भञुह । *10*

Q6. (a) 'खट्टर ककाक तरंग' मे तरंगित जतेक उत्कृष्ट हास्य बूझि पड़ैत अछि ताहिसँ बेसी मिश्रण अछि व्यंग्यक – सयुक्ति विवेचन करू । *20*

(b) 'वर्णरत्नाकर'क द्वितीय कल्लोलमे वर्णित विषय-वस्तु एवं ओकर महत्त्वकेँ स्पष्ट करू । *15*

(c) 'पृथ्वीपुत्र' एक सामाजिक उपन्यास थिक जाहिमे जीवनक ओ चित्र उतरल अछि जे सत्य पर आधारित अछि – समीक्षा करू । *15*

Q7. (a) 'लोरिक-विजय' उपन्यास अपराजेय पौरुषक लोककथा थिक, संगहि आध्यात्मिक जीवन-दर्शन, शैव, बौद्ध, तन्त्र, इत्यादि सांस्कृतिक कथाक समावेश कएल गेल अछि – समीक्षा करू । *20*

(b) 'भफाइत चाहक जिनगी' आदर्शवादी शिक्षित बेरोजगार नवयुवकक संघर्षपूर्ण जीवनगाथा अछि – स्पष्ट करू । *15*

(c) मैथिली कथा साहित्यक विकासमे 'कृति राजकमल'क योगदान स्पष्ट करू । *15*

Q8. (a) मैथिली कथा साहित्यमे 'मणिपद्म'क 'बालगोविन' कथाक विशिष्ट स्थान प्राप्त छैक – स्पष्ट करू । *20*

(b) 'लोरिक-विजय' मे मिथिलाक माटि-पानि आ संस्कारक सम्पूर्ण सौन्दर्य ओ सौरभ उद्भाषित भए उठल अछि – एहि उक्तिक समीक्षा करैत 'लोरिक-विजय'क औपन्यासिक वैशिष्ट्य पर प्रकाश दिअ । *15*

(c) राजकमलक कथा ने हुनक चारित्रिक विशेषता कोनहु ने कोनहु रूप मे अवश्य भेटत – एहि कथन पर विचार करू । *15*